वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT
2009 - 10

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर STATE BANK OF BIKANER & JAIPUR

निदेशक मण्डल की सभा का दृश्य।

View of the Meeting of the Board of Directors

सूचना

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, 'सी'-स्कीम,
जयपुर-302 005

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के अंशधारकों की उन्चासवीं वार्षिक साधारण सभा **महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम (भारतीय विद्या भवन), के.एम. मुंशी मार्ग, ओ.टी.एस. के सामने, जयपुर में बुधवार, दिनांक 2 जून, 2010 को प्रातः 11.30 बजे** (मानक समय) आयोजित की जायेगी जिसमें 1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2010 तक की अवधि के तुलन-पत्र एवं लाभ और हानि खाता, इसी अवधि में बैंक के कार्यकरण एवं क्रियाकलापों पर निदेशक मण्डल के प्रतिवेदन तथा तुलन-पत्र व लेखों के सम्बन्ध में संपरीक्षकों के प्रतिवेदन पर विचार कर पारित किया जायेगा।

मण्डल के आदेशानुसार

जयपुर
दिनांक: 24 अप्रैल, 2010

प्रबन्ध निदेशक

NOTICE

STATE BANK OF BIKANER & JAIPUR
Head Office, Tilak Marg, 'C'-Scheme
Jaipur-302 005

NOTICE is hereby given that the Forty Ninth Annual General Meeting of the Shareholders of State Bank of Bikaner and Jaipur will be held in the **Maharana Pratap Auditorium (Bharatiya Vidya Bhavan), K.M. Munshi Marg, Opp. O.T.S., Jaipur on Wednesday, the 2nd June, 2010 at 11.30 A.M.** (Standard Time) to discuss and adopt the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts for the period 1st April, 2009 to 31st March, 2010.

By Order of the Board

Jaipur
Dated: 24th April, 2010

Arun Shandilya
Managing Director

विषय-सूची CONTENTS

उल्लेखनीय तथ्य Highlights	03 03
निदेशक मण्डल Board of Directors	04 05
निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन Directors' Report	06 07
बासेल-II प्रकटीकरण Basel-II Disclosures	64 65
तुलन-पत्र Balance Sheet	102 102
लाभ-हानि खाता Profit & Loss Account	104 104
अनुसूचियां Schedules	106 106
प्रमुख लेखा नीतियां Principal Accounting Policies	118 119
खातों पर टिप्पणियाँ Notes on Accounts	128 129
लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन Auditors' Report	162 163

उन्नति का एक दशक 2001-2010
A Decade of Progress 2001-2010

(रु. करोड़ में)
(Rs. in Crore)

संकेतक Indicators	पूँजी एवं आरक्षितियां Capital & Reserves	कुल व्यवसाय Total Business	सकल उपार्जन Operating Profit	निवल लाभ Net Profit	शाखाओं की संख्या No. of Branches	प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee	प्रति कर्मचारी निवल लाभ (रुपये लाख में) Net Profit per Employee (Rs. In lakh)
मार्च March 2001	609.20	16065	268.30	105.37	799	1.05	0.77
मार्च March 2002	752.11	17592	390.61	164.50	802	1.29	1.31
मार्च March 2003	903.45	20391	440.85	203.28	804	1.46	1.63
मार्च March 2004	1148.57	25457	681.35	301.52	812	1.70	2.44
मार्च March 2005	1297.68	31294	729.64	205.65	824	2.20	1.69
मार्च March 2006	1405.66	37790	481.03@	145.03	832	2.77	1.20
मार्च March 2007	1653.71	49246	679.20@	305.80	844	3.56	2.57
मार्च March 2008	1713.21	59427	661.18@	315.00	850	4.45	2.73
मार्च March 2009	2046.47	69312	892.84@	403.45	860	5.55	3.55
मार्च March 2010	2417.40	81622	903.73@	455.16	861	6.28	3.96

@ निवेशों के मूल्यांकन के लिए भारिबैं द्वारा जारी पुनरीक्षित दिशानिर्देशों को दृष्टिगत करते हुए।
Keeping in view revised RBI guidelines on valuation of investments.

उल्लेखनीय तथ्य
HIGHLIGHTS

(रु. करोड़ में)
(Rs. in Crore)

		2008-09	**2009-10**
कुल व्यवसाय अन्तर-बैंक जमाओं सहित Total Business including inter-bank deposits		69312	**81622**
जमाराशियाँ Deposits		39224	**46059**
कुल अग्रिम Total Advances		30088	**35563**
अग्रिम (निवल) Advances (Net)		29851	**35223**
निवेश (निवल) Investments (Net)		10999	**13601**
निवल लाभ Net Profit		403.45	**455.16**
जमाओं की लागत Cost of Deposits		6.72%	**6.20%**
अग्रिमों पर आय Yield on Advances		10.98%	**10.14%**
निवल ब्याज अन्तर Net Interest Margin		2.81%	**2.70%**
प्रदत्त पूँजी एवं आरक्षितियाँ Paid-up Capital & Reserves		2046.47	**2417.40**
प्रति अंश आय (रुपयों में) Earning per Share (in Rs.)		80.69	**91.03**
प्रति अंश पुस्तक मूल्य (रुपयों में) Book Value per Share (in Rs.)		409.29	**483.48**
पूँजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio	बासेल-I के अनुसार As per Basel-I	13.18%	**11.94%**
	बासेल-II के अनुसार As per Basel-II	14.52%	**13.30%**
लाभांश दर Dividend Rate		120%	**144%**
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां Gross Non Performing Assets		490.33	**611.85**
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां प्रतिशत Gross NPA %		1.63%	**1.72%**
निवल गैर-निष्पादित आस्तियां प्रतिशत Net NPA %		0.85%	**0.77%**
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को अग्रिम Advances to Priority Sectors		11758	**13560**
कृषि क्षेत्र को अग्रिम Advances to Agriculture		5134	**6092**
सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को अग्रिम Advances to Micro and Small Enterprises		3092	**4652**
किसान क्रेडिट कार्डों की कुल संख्या (लाख में) Total number of Kisan Credit Cards (in lakh)		5.63	**6.98**
निर्यात वित्त Export Finance		1738	**1735**
शाखाओं की कुल संख्या Total number of branches		860	**861**
कर्मचारियों की संख्या Number of Employees		12169	**12356**
प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee		5.55	**6.28**
प्रति कर्मचारी निवल लाभ (रुपये लाख में) Net Profit per Employee (Rs. In lakh)		3.55	**3.96**

निदेशक मण्डल (31 मार्च 2010 को)

श्री ओ.पी. भट्ट अध्यक्ष भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मादाम कामा रोड, मुम्बई	भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) के अधीन पदेन अध्यक्ष
श्री टी.सी.ए. रंगनाथन प्रबन्ध निदेशक स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (एए) के अधीन मनोनीत
श्री रमेश चन्द्र मुख्य महाप्रबन्धक (सेवानिवृत्त) भारतीय रिज़र्व बैंक 24, आकाश गंगा कोऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटी, प्लॉट नं. 3, सेक्टर 56, सुशांत लोक-II, गुड़गांव-122 011	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (बी) के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मनोनीत
श्री एस.ए. थिम्मैया महाप्रबन्धक सहयोगी बैंक विभाग भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री बी.एस. गोपालकृष्ण उप महाप्रबन्धक सहयोगी बैंक विभाग भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
डॉ. संजीव अग्रवाल ए-226, शिवानन्द मार्ग, मालवीय नगर जयपुर-302 017	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक
श्री रतन कुमार रूंगटा 61/45, प्रताप नगर, सांगानेर टोंक रोड, जयपुर - 302 030	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक
श्री संजीव शर्मा द्वारा-क्वॉण्टम बैंकिंग रिसोर्सेज सेन्टर (प्रा.) लि. ए-703, ''समुद्रा'', टेलीफोन एक्सचेंज के पास, सी.जी. रोड के सामने, अहमदाबाद-380 006	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री अमरीक सिंह अवर सचिव, भारत सरकार वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएँ विभाग जीवनदीप बिल्डिंग, संसद मार्ग नई दिल्ली-110 001	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ई) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत
श्री अशोक कुमार शुक्ला विशेष सहायक स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर बिरहाना रोड, कानपुर-208 001	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीए) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत
श्री राजेन्द्र कुमार शाह उप प्रबंधक सामाजिक सेवा बैंकिंग विभाग स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, जयपुर-302 005	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीबी) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

BOARD OF DIRECTORS (AS ON 31st March, 2010)

Shri O.P. Bhatt Chairman State Bank of India, Corporate Centre, Madame Cama Road, Mumbai	Chairman, ex-officio under clause (a) of sub section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.
Shri T.C.A. Ranganathan Managing Director State Bank of Bikaner & Jaipur Head Office, Tilak Marg, Jaipur	Nominated under clause (aa) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Ramesh Chander Chief General Manager (Retd.) Reserve Bank of India 24, Akash Ganga Cooperative Group Housing Society, Plot No. 3, Sector 56, Sushant Lok-II, Gurgaon-122 011	Nominated by the Reserve Bank of India under clause (b) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri S.A. Thimmiah General Manager Associate Banks' Deptt., State Bank of India, Corporate Centre, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri B.S. Gopalakrishna Dy. General Manager Associate Banks' Deptt., State Bank of India, Corporate Centre, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Dr. Sanjiv Agarwal A-226, Shivanand Marg Malviya Nagar, Jaipur - 302 017	Elected under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Ratan Kumar Roongta 61/45, Pratap Nagar, Sanganer, Tonk Road, Jaipur - 302 030	Elected under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Sanjeev Sharma C/o Quantum Banking Resources Centre (P) Ltd., A-703, "Samudra", Near Telephone Exchange, Off C.G. Road, Ahmedabad - 380 006	Nominated by the State Bank of India under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Amrik Singh Under Secretary, Govt. of India, Ministry of Finance, Deptt. of Financial Services, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi	Nominated by the Central Government under clause (e) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Ashok Kumar Shukla Special Assistant State Bank of Bikaner & Jaipur Birhana Road Kanpur-208 001	Nominated by the Central Government under clause (ca) of sub-section (1) of section 25 read with the sub-section (2A) of section 26 of the Act.
Shri Rajendra Kumar Shah Dy. Manager, Community Services Banking Deptt., State Bank of Bikaner and Jaipur, Head Office, Tilak Marg, Jaipur - 302 005	Nominated by the Central Government under clause (cb) of sub-section (1) of section 25 read with the sub-section (2A) of section 26 of the Act.

निदेशक मण्डल (31 मार्च 2010 को)
BOARD OF DIRECTORS (AS ON 31st March, 2010)

श्री ओ.पी. भट्ट
अध्यक्ष
Shri O.P. Bhatt
Chairman

श्री टी.सी.ए. रंगनाथन
प्रबन्ध निदेशक
Shri T.C.A. Ranganathan
Managing Director

श्री रमेश चन्द्र
Shri Ramesh Chander

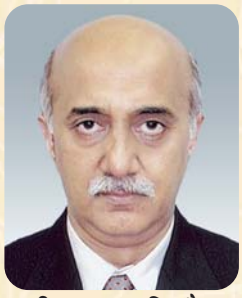

श्री एस.ए. थिम्मैया
Shri S.A. Thimmiah

श्री बी.एस. गोपालकृष्ण
Shri B.S. Gopalakrishna

डॉ. संजीव अग्रवाल
Dr. Sanjiv Agarwal

श्री रतन कुमार रूंगटा
Shri Ratan Kumar Roongta

श्री संजीव शर्मा
Shri Sanjeev Sharma

श्री अमरीक सिंह
Shri Amrik Singh

श्री अशोक कुमार शुक्ला
Shri Ashok Kumar Shukla

श्री राजेन्द्र कुमार शाह
Shri Rajendra Kumar Shah

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 43 (1) के निबन्धनों के तहत भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं भारत सरकार को निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

प्रतिवेदन की अवधि : 1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2010

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक मण्डल को बैंक के 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन, अंकेक्षित तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि खातों के साथ प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है।

प्रबन्धन विचार-विमर्श और विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य

विश्व अर्थव्यवस्था

वर्ष 2009-10 के दौरान, द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से अब तक की सबसे भारी मंदी की समाप्ति के संकेत से, विश्व अर्थव्यवस्था में सुधार परिलक्षित हुआ। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने विश्व आर्थिक परिदृश्य के अप्रैल 2010 अंक में वर्ष 2010 के लिए वैश्विक वृद्धि के अनुमान को वर्ष 2009 में हुई 0.6% की गिरावट की तुलना में, अपने पूर्व आकलन को संशोधित करते हुए 4.2% कर दिया है। यद्यपि वैश्विक सुधार अनुमानों से अधिक है लेकिन उनकी तुलनात्मक मात्रा देश दर देश भिन्न है। हालांकि, विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सुधार धीमा रहने की सम्भावना है, विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू मांग प्रेरित आर्थिक गतिविधियों में प्रबल वृद्धि की आशा है। तथापि, एक मुख्य चिन्ता, प्रोत्साहन पैकेजों और मौद्रिक समायोजनों को वापस लिये जाने पर, वृद्धि जारी रहने के प्रति बनी हुई है।

भारतीय अर्थव्यवस्था

विश्व में आर्थिक संकट के उपरान्त भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय दृढ़ता प्रदर्शित की है। केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन के पूर्वानुमानों के अनुसार, भारत के सकल घरेलू उत्पाद (वर्ष 2004-05 मूल्य आधारित) में वर्ष 2008-09 में दर्ज की गई 6.7% वृद्धि की तुलना में वर्ष 2009-10 में 7.2% की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक (आईआईपी) में अप्रैल-फरवरी 2009-10 के दौरान 10.1% की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि पिछले वर्ष के तुलनात्मक समय में 3.0% थी। मुख्य ढांचागत उद्योगों की विकास दर भी वर्ष 2009-10 में सुधरकर 5.5% हो गई जो गत वर्ष में 3.0% थी।

वर्ष 2009-10 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में भारी मंदी का द्योतक रहा है। भारत के निर्यात (अमरीकी डॉलर में) में वर्ष 2009-10 के दौरान 4.7% की गिरावट दर्ज हुई वहीं आयात में 8.2% की गिरावट दर्ज हुई है। विश्व अर्थव्यवस्था में सुधार की सम्भावनाओं से प्रेरित एवं भारत के मुख्य आकर्षक केन्द्र के रूप में उभरने से, भारत में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने वर्ष 2009-10 में भारतीय पूँजी एवं ऋण बाजारों में 30.2 बिलियन अमरीकी डॉलर की राशि का निवल निवेश किया जबकि वर्ष 2008-09 में 9.8 बिलियन अमरीकी डॉलर का बहिर्वाह हुआ था। इसके अलावा, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में अन्तर्वाह के साथ ही भारत का विदेशी विनिमय कोष, 27.1 बिलियन अमरीकी डॉलर की वृद्धि के परिणामस्वरूप, अन्त-मार्च 2010 तक 279.1 बिलियन अमरीकी डॉलर के स्तर तक पहुँच गया।

अक्टूबर 2009 से भारत सरकार ने थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े मासिक आधार पर जारी करना आरम्भ कर दिया है। साप्ताहिक मुद्रास्फीति आंकड़े अब मात्र प्राथमिक वस्तुओं तथा तेल उत्पादों को ही आवृत्त करते हैं। वर्ष 2009-10 के दौरान थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर मार्च और अक्टूबर 2009 के बीच -1.0% से 1.5% की सीमा में रही है। तथापि, वस्तुओं और तेल मूल्यों में हुई विश्वस्तरीय वृद्धि के साथ, 1972 से अब तक के सबसे खराब मानसून, जिसने खाद्य मूल्यों को दुष्प्रभावित किया, के कारण मुद्रास्फीति तेजी से बढ़ी और इसने मार्च 2010 में 17 माह के शीर्ष स्तर 9.9% को छुआ। वित्तीय सुदृढ़ता के मार्ग पर लौटने के क्रम में केन्द्रीय बजट 2010-11 में, भारत सरकार ने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (सेनवैट) दर को 8% से बढ़ाकर 10% करते हुए वित्तीय प्रोत्साहनों की वापसी आरम्भ कर दी है।

राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, बैंक के एक चल-एटीएम का उद्घाटन करते हुए।

Hon'ble Chief Minister of Rajasthan Shri Ashok Gehlot inaugurating a Mobile ATM of the Bank

REPORT OF THE BOARD OF DIRECTORS TO THE STATE BANK OF INDIA, THE RESERVE BANK OF INDIA AND THE GOVERNMENT OF INDIA IN TERMS OF SECTION 43(1) OF THE STATE BANK OF INDIA (SUBSIDIARY BANKS) ACT 1959

PERIOD COVERED BY THE REPORT: 1ST APRIL 2009 TO 31ST MARCH 2010

The Board of Directors of State Bank of Bikaner and Jaipur have pleasure in presenting this Annual Report together with the audited Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2010.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

ECONOMIC ENVIRONMENT

WORLD ECONOMY

The year 2009-10 has witnessed some recovery in the global economy signalling the end of the most severe recession since the Second World War. The International Monetary Fund (IMF), in its April 2010 issue of the World Economic Outlook, has revised the global growth outlook for the year 2010 to 4.2%, compared to a decline of 0.6% in the year 2009. The global recovery has evolved better than expected but the strength of recovery varies from country to country. Recovery in the advanced economies is expected to remain sluggish, while economic activity in the developing economies is expected to expand vigorously, driven by the domestic demand. However, a major concern remains about the sustainability of growth once the stimulus packages and monetary accommodation are withdrawn

INDIAN ECONOMY

The Indian economy has exhibited strong resilience notwithstanding the global economic crisis. As per the advance estimates made by the Central Statistical Organisation, India's GDP at 2004-05 prices is expected to record a growth of 7.2% during 2009-10 compared to the growth of 6.7% recorded during 2008-09. The Index of Industrial Production (IIP) has recorded a growth of 10.1% during April–February 2009-10 compared to a growth of 3.0% in the corresponding period last year. Growth of core infrastructure industries has also improved to 5.5% during 2009-10, as against 3.0% during the previous year.

There has been a sharp slowdown in international trade during 2009-10. India's exports have declined by 4.7% in US$ terms during 2009-10 while imports have declined by 8.2%. Encouraged by global recovery prospects and India emerging as a major attractive destination, foreign institutional investors have invested a net amount of US$ 30.2 billion in Indian equity and Debt markets during 2009-10 compared to an outflow of US$ 9.8 billion in 2008-09. This, together with foreign direct investment inflows, has resulted in India's foreign exchange reserves rising by US$ 27.1 billion to reach a level of US$ 279.1 billion as at end-March 2010.

Since October 2009, Government of India has commenced releasing Wholesale Price Index (WPI) inflation figures on a monthly basis. Weekly inflation now covers only primary articles and fuel products. During 2009-10, WPI inflation remained in the range of -1.0% to 1.5% between March and October 2009. However, with global rise in commodity and fuel prices coupled with the worst monsoon since 1972 which impacted food prices, inflation rose to touch a 17 month high level of 9.9% in March 2010. In order to revert to the path of fiscal consolidation, Government of India has commenced withdrawal of the fiscal stimulus by increasing the central excise (Cenvat) rate from 8% to 10% in the Union budget 2010-11.

बैंक के तत्कालीन प्रबन्ध निदेशक श्री टी सी ए रंगनाथन, राजस्थान की तत्कालीन महामहिम राज्यपाल स्वर्गीय श्रीमती प्रभा राव से शिष्टाचार भेंट करते हुए।

The then Managing Director of the Bank Shri T C A Ranganathan, paying a courtesy visit to the then Hon'ble Governor of Rajasthan H.E. Late Smt Prabha Rau.

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 10.4% तथा जनसंख्या का 5.5% भाग आवृत्त करते हुए राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि की महत्त्वपूर्ण भूमिका है चूंकि 76.6% व्यक्ति ग्रामीण एवं अर्द्धशहरी क्षेत्रों में रहते हैं तथा राज्य की दो तिहाई जनसंख्या अपनी आजीविका हेतु कृषि एवं कृषि पर आधारित गतिविधियों पर निर्भर है। वर्ष 2009-10 के दौरान राज्य में मानसून में सामान्य से 33.6% की कमी रहने से कृषि उत्पादन में 35.8% गिरावट की सम्भावना है। फिर भी औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र की अच्छी वृद्धि के कारण राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (स्थिर कीमतों पर) में वर्ष 2009-10 के दौरान 2.5% की वृद्धि दर्ज होने की अपेक्षा है कि जबकि वर्ष 2008-09 के दौरान इसमें 6.6% वृद्धि हुई थी।

वित्तीय क्षेत्र की गतिविधियां

वर्ष 2009-10, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की जमाराशियों एवं अग्रिमों की वृद्धि में धीमेपन का द्योतक रहा है। वर्ष 2009-10 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमाराशियों एवं अग्रिमों में वृद्धि की दर जो कि विगत वर्ष में क्रमशः 19.9% तथा 17.5% थी, की तुलना में 17.0% तथा 16.7% रही।

वित्तीय वर्ष के प्रथम अर्द्धवर्ष के दौरान, भारतीय रिज़र्व बैंक ने विकास तथा वृहद् सरकारी उधार कार्यक्रम के लिए प्रोत्साहन पैकेजों के वित्तीयन को समर्थन देने हेतु उदार मौद्रिक स्थितियां बनाये रखीं। अप्रैल 2009 में रिवर्स रिपो तथा रिपो दरों में, प्रत्येक में 25 आधार बिन्दुओं की कटौती कर इन्हें क्रमशः 3.25% एवं 4.75% किया गया। तथापि, वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में तीव्र मुद्रास्फीति युक्त आर्थिक सुधार की बढ़ती गति के साथ, भारतीय रिज़र्व बैंक ने मौद्रिक कसाव के उपाय आरम्भ कर दिये हैं। तदनुसार फरवरी 2010 में प्रारक्षित नकदी निधि अनुपात 75 आधार बिन्दु बढ़ा कर 5.75% किया गया वहीं मार्च 2010 में रिवर्स रिपो एवं रिपो दरें, प्रत्येक में 25 आधार बिन्दुओं की वृद्धि कर, क्रमशः 3.5% एवं 5.0% की गईं।

वित्तीय प्रणाली में निरन्तर विपुल तरलता विद्यमान रहने के कारण वर्ष 2009-10 के दौरान सामान्यतः ब्याज दरें गिरीं। प्रमुख बैंकों की एक वर्ष से अधिक की परिपक्वता वाली जमा ब्याज दरें अन्त-मार्च 2009 की 7.5-9.25% से गिर कर अन्त-मार्च 2010 तक 6.0-7.5% रह गईं जबकि बैंचमार्क मूल आधार दरें अन्त-मार्च 2009 की 11.5-14.0% से गिर कर अन्त-मार्च 2010 तक 11.0-12.0% रह गईं। वैश्विक प्रवृत्ति के समरूप पूँजी बाजार तेजी से बढ़े। अन्त-मार्च 2010 को बीएसई सूचकांक अन्त-मार्च 2009 के स्तर से 80.5% की वृद्धि के साथ 17,528 पर बन्द हुआ। वर्ष के दौरान भारतीय रुपया अमरीकी डॉलर के प्रति 11.4%, ब्रिटिश पाउण्ड/जापानी येन के प्रति 6.6% तथा यूरो के प्रति 10.3% बढ़ा।

वर्ष 2009-10 की कुछ महत्त्वपूर्ण नीतिगत घोषणाओं में निम्नांकित समाहित हैं:- (अ) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा शाखा प्राधिकरण नीति को उदार बनाते हुए पूर्व स्वीकृति बिना अन्यत्र एटीएम स्थापित करने की अनुमति देना। (ब) 1 अप्रैल 2010 से बचत बैंक खातों के दैनिक गुणन आधार पर ब्याज लगाना। (स) घरेलू अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को, पूर्वानुमोदन के बिना ही श्रेणी 3 से 6 (50,000 जनसख्या तक) केन्द्रों पर शाखाएँ खोलने हेतु ढील देना। (द) व्यवसाय सम्पर्की नियुक्त किये जाने हेतु पात्र इकाइयों की सूची को विस्तारित करना। (य) मानक आस्ति के रूप में वर्गीकृत किये गए वाणिज्यिक स्थावर सम्पदा (कॉमर्शियल रीयल एस्टेट) क्षेत्र के अग्रिमों हेतु प्रावधान आवश्यकताएँ 0.40% से बढ़ाकर 1% करना। (र) गैर निष्पादित आस्तियों के प्रावधान में वृद्धि हेतु बैंकों को परामर्श देना, ताकि सुनिश्चित हो सके कि अन्त-सितम्बर 2010 तक चल प्रावधान सम्मिलित करते हुए कुल प्रावधान व्याप्ति 70% से कम नहीं हो।

सम्भावनाएं, चुनौतियाँ एवं परिदृश्य

वर्ष 2010-11 बैंकिंग व्यवसाय हेतु, वर्ष 2009-10 की तुलना में, अधिक आशाप्रद रहने की अपेक्षा है। सामान्य मानसून रहने पर समग्र रूप से सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि 8.0-8.5% की सीमा में रहने की अपेक्षा है और भारत सरकार प्रयासरत है कि 'द्वि-अंकीय विकास अवरोध' को पार करने हेतु मार्ग ढूंढा जाए। हाल में ही भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि उच्च पूँजीकरण और वित्तीय अभिवृद्धि के साथ बैंकिंग क्षेत्र लाभप्रद बना हुआ है। साख गुणवत्ता उत्तम है तथा समग्र जमाराशियों में कम लागत की चालू एवं बचत जमाराशियों का अंश भी उच्च है। इसके अतिरिक्त दबाव परीक्षण बताते हैं कि बैंकिंग क्षेत्र सहज सुदृढ़ है। तथापि, निवेश संविभाग पर चिन्हित बाजार प्रभाव, वर्द्धित प्रावधान आवश्यकताएँ तथा 1 अप्रैल 2010 से बचत जमाओं पर दैनिक आधार पर ब्याज गणना बैंकों के लाभों पर कुछ दबाव बना सकती हैं।

राजस्थान सरकार ने वर्ष 2010-11 के लिए वार्षिक योजना व्यय में पिछले वर्ष के संशोधित वार्षिक योजना व्यय की तुलना में 27.8% अभिवृद्धि की है, जिससे मांग में सुधार होने की सम्भावना है। वर्ष 2009-10 के दौरान बाड़मेर के मंगला क्षेत्र में कच्चे तेल का वाणिज्यिक उत्पादन आरम्भ हो गया है तथा हाल ही में हुई घोषणायें तेल के ऐसे ही और बड़े भण्डार होना दर्शाती हैं। ऊर्जा (परम्परागत तथा गैर परम्परागत दोनों), सड़क, सूचना प्रौद्योगिकी, तेल एवं गैस, वस्त्र, सीमेन्ट और आतिथ्य क्षेत्रों में राज्य निरन्तर वृहद् निवेश आकर्षित कर रहा है। हाल ही में क्रियान्वित कृषि ऋण माफी/नरेगा योजनाओं तथा वेतन आयोग के निर्णयों ने लोगों के हाथों में, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक आय उपलब्ध करवाई है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2010 में अच्छे मानसून की सम्भावनाएं होने से यह आशा की जाती है कि राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ पुनः तेजी से बढ़ेगी और वर्ष 2010-11 में बैंक को और अच्छे अवसर उपलब्ध करवाएगी।

बैंक के समक्ष बाजार अंश में निरन्तर वृद्धि, आस्ति गुणवत्ता बनाये रखना, व्यवसाय एवं लाभप्रदत्ता बढ़ाने के लिए उन्नत तकनीक का